

एमबीए : चुनें वो राह जो हो बदलती दुनिया की आवश्यकता के अनुरूप

एमबीए ऐसा क्षेत्र है जो बिजनेस और इंडस्ट्री में स्टूडेंट्स को सफलता दिलाने में मुख्य भूमिका निभा रही है। आज हर-बड़ी छोटी कंपनियों में शीर्ष पर बहुधा एमबीए डिग्री ही विराजमान हैं। यह कोर्स ग्रेजुएशन के पश्चात आज सबसे ज्यादा स्टूडेंट्स द्वारा चुना जा रहा है।

आज पूरे विश्व में कारोबार व कामकाज का ढंग जिसे 'वर्ल्ड ऑफ वर्क' कहते हैं, इस कदर तेजी से बदल रहा है तो प्रश्न उठता है की क्या एमबीए को भी बदलने की जरूरत है? क्या वो पुराना एमबीए इस नई जेनरेशन के लिए पर्याप्त है?

आज बिजनेस की आवश्यकताओं एवं ग्राहकों की आकांक्षाओं, दोनों में ही क्रांतिकारी बदलाव आ गये हैं।

वहीं काम करने वाले मानव संसाधन की मानसिकता व महत्वाकांक्षाएँ भी पहले जैसे नहीं रहीं। ऐसे में एमबीए शिक्षा इन सारे बदलावों से अछूती नहीं है और आज एक ऐसी शिक्षा बन गयी है जो न केवल मूलभूत सिद्धांतों के अनुरूप एवं आज के अनुकूल है बल्कि स्टूडेंट्स के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में अहम भूमिका निभा रही है।

एंटरप्रेन्यूरशिप - चाहें खुद का रोजगार या नौकरी

स्टार्टअप का दौर एमबीए विद्यार्थियों के अन्दर उद्यमशीलता का विकास करने में अच्छी भूमिका निभा रहा है। एंटरप्रेन्यूरशिप स्टार्टअप से लेकर नौकरी तक में यह बेहद जरूरी बन गई है और इसी कारण एंटरप्रेन्यूरशिप एमबीए पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग बन गया है।

आधुनिक सिद्धांतों को लाएं कल्पना से वास्तविकता तक

भारत में एमबीए पाठन में इनोवेशन लाने के लिए ऐसे प्रोग्राम की रचना की जानी चाहिए जो विद्यार्थियों को आधुनिक सिद्धांतों का अनुभव दे। 'पिनैकल एमबीए' आजकल बहुत चलन में है। यह डिग्री कोर्स हर स्टूडेंट को उसकी क्षमता

को निखारने में मदद कर रहा है। इस प्रोग्राम में कई ऐसे अनूठी विशेषताएँ हैं जो भारत के प्रमुख व सर्वश्रेष्ठ आईबीए प्रोग्राम्स में भी नहीं हैं जैसे सीनियर इंडस्ट्री विशेषज्ञों द्वारा प्रत्येक स्टूडेंट की व्यक्तिगत मेंटरशिप, विश्व के शीर्ष विश्वविद्यालयों की फैकल्टीज द्वारा कोर्सेज का अध्यापन, स्टार्ट-अप स्टूडियो, सेंटर फॉर कम्युनिकेशन एंड क्रिटिकल थिंकिंग, लिबरल आर्ट्स, डिजाइन और टेक्नालजी का परिचय व अनुभव, व्यक्तित्व विकास। 'पिनैकल एमबीए' प्रोग्राम्स की शुरुआत सार्थक जीवन जीने योग्य सफल प्रोफेशनल्स के निर्माण हेतु की जा रही है।

प्रो. आशीष गुप्ता, प्रो. वाइस चांसलर,
जे के लक्ष्मीपत युनिवर्सिटी, जयपुर